हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद

उत्तमा (साहित्यरत्न) प्रथम खण्ड परीक्षा–सन् २०१९ (संवत् २०७६)

हिन्दी साहित्य – प्रश्नपत्र १

(सामान्य हिन्दी)

समय : तीन घण्टा) (पूर्णाङ्क : १००

१. अव्यय किसे कहते हैं? इनके भेदों को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए? १५

२. मानक हिन्दी की प्रमुख विशेषताएँ बताइये तथा हिन्दी किस लिपि में लिखी जाती है, स्पष्ट कीजिए? १०

३. उत्तर भारत की सभी भाषाएँ प्रायः संस्कृत से निकली हैं, और उन सबके शब्दों में पारिवारिक समानता है। दक्षिण की भाषाएँ भी प्रायः संस्कृत से प्रभावित हुई हैं। उन्होंने भी थोड़ा बहुत मात्रा में संस्कृत की शब्दावली ग्रहण की। संस्कृत की परिनिष्ठित लिपि होने के कारण देवनागरी प्रायः सभी प्रान्तों में पहचानी जाती है। उर्दू का लिपिभेद होते हुए भी हिन्दी के साथ भाषा–साम्य है। भाषा की ज़मीन और व्याकरण प्रायः एक से हैं। बेल–बूटे फ़ारसी–अरबी के हैं।

(क) इस अवतरण का उपयुक्त शीर्षक दीजिए। ७

(ख) काले से छपी रेखांकित पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। ८

४. ईश्वरेच्छा और अम्बूर्म्मि का सन्धि विच्छेद कर सन्धि का नाम बताइए? १०

५. समास की परिभाषा लिखिए और बहुब्रीहि समास को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। १०

६. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं पाँच शब्दों को शुद्ध कीजिए। १०

अवन्नति, अन्तर्ध्यान, अनाधिकार, कृत्यकृत्य, अनुशरण, आहवान, आजीवका, कौतुहल।

७. अधोलिखित शब्दों में से किन्हीं पाँच शब्दों के विलोम लिखिए– १०

राजतंत्र, रक्षक, विस्मरण, विशिष्ट, यथार्थ, सरस, स्थावर, सृष्टि।

(कृपया पन्ना उलटिए)

८. निम्नलिखित मुहावरों में से किन्हीं **पाँच** का अर्थ लिखिए– १०

(क) उल्टी गंगा बहाना।

(ख) अगर मगर करना।

(ग) अक्ल पर पत्थर पड़ना।

(घ) अपनी खिचड़ी अलग पकाना।

(ङ) अँगूठी का नगीना।

(च) अक्ल का दुश्मन

(छ) लोहे के चने चबाना।

(ज) आँख चुराना।

९. अधोलिखित शब्दों के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए और वाक्य बनाइए। १०

अमृत, अरण्य, अबला, आँख, उत्साह।

हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद

उत्तमा (साहित्यरत्न) प्रथम खण्ड परीक्षा–सन् २०१९ (संवत् २०७६)

हिन्दी साहित्य – प्रश्नपत्र २

(आधुनिक गद्य)

समय : तीन घण्टा) (पूर्णाङ्क : १००

सूचना–प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

१. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं चार की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए– ४०

(क) जिनके आतंक से आज विश्वविख्यात रोम साम्राज्य पदाक्रान्त है, उन्हें तुम्हारा लोहा मानना होगा और तुम्हारे पैरों के नीचे दबे हुए कण्ठ से उन्हें स्वीकार करना होगा कि भारतीय दुर्जेय वीर हैं। समझ लो आज के युद्ध में प्रत्यावर्तन नहीं है, जिसे लौटना हो अभी से लौट जाय।

(ख) मैं जानना चाहता हूँ कि मेरी क्या यही हैसियत है, इस घर में कि जो जब जिस वजह से जो भी कह दे मैं चुपचाप उसे सुन लिया करूँ। हर वक्त धितकार, हर व्यक्ति की कोंच, बस यही कमाई है यहाँ मेरी इतने सालों की।

(ग) मैं नकली जीवन नहीं जी सकता। बाहर कम–से–कम जीवन जैसा है उसे तो नहीं भूलूँगा। उसका विष पचाने की आदत तो बनी रहेगी। मैं जा रहा हूँ। वह मुड़कर बाहर निकलने को था कि दूसरे कमरे से तेजी से दौड़कर आयी भागो बहिन ने उसे पीछे से आवाज दी। 'सागर बात सुनो, इधर आओ।'

(घ) हे भगवान यह कैसी परीक्षा है। युवा अवस्था में इंजीनियर का लोभ दिया और मेरी शादी हो गयी। लेकिन इंजीनियर के बाद आदमी इतना गिर सकता है, मैं नहीं जानती थी। मैं शायद भूल गयी थी कि आदमी जितना ऊपर उठता है उतने ही जोर से नीचे गिरता है।

(ङ) कौन कहता है, जीवन संग्राम में वह हारा है। यह उल्लास, यह गर्व, यह पुलक क्या हार के लक्षण हैं। इन्हीं हारों में उसकी विजय है। उसके

(कृपया पन्ना उलटिए)

टूटे–फूटे अस्त्र उसकी विजय पताकायें हैं। उसकी छाती फूल उठी है, मुख पर तेज आ गया है। हीरा की कृतज्ञता में उसके जीवन की सारी सफलतायें मूर्तिमान हो गयी हैं।

(च) अपने विषय में दूसरों के चित्त में अच्छी धारणा उत्पन्न करने का प्रयत्न अच्छी बात है। इस प्रयत्न को जो बुरा रूप प्राप्त होता है, वह असत्य के समावेश के कारण दूसरों के धारणा को वास्तविक और अपनी स्थिति की सापेक्षता के कारण–जब हम अपने विषय में दूसरों की झूठी धारणा और अपने स्थिति के सापेक्ष रूप मात्र से संतोष करना चाहते हैं तभी बुराइयों के लिए जगह होती है और ईर्षा की राह खुलती है।

२. 'निर्मला' का मुख्य उद्देश्य क्या है? उल्लेख कीजिए। २०

३. 'ध्रुवस्वामिनी' के आधार पर ध्रुवस्वामिनी का चरित्र–चित्रण कीजिए। २०

४. 'आधे–अधूरे' का सारांश अपने शब्दों में लिखिए। २०

५. 'बोलता हुआ कुँआ' के कथानक को अपने शब्दों में अभिव्यक्त कीजिए। २०

६. 'गेहूँ का सुख' निबन्ध की समीक्षा कीजिए। २०

७. 'भाषा माँ होती है' का अभिप्राय क्या है? इसे अपने भावों में व्यक्त करें। २०

८. 'ठेले पर हिमालय' शीर्षक निबन्ध के माध्यम से निबन्धकार ने क्या कहना चाहा है। स्पष्ट कीजिए। २०

उप्र मा । ग १३

हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद

उत्तमा (साहित्यरत्न) प्रथम खण्ड परीक्षा–सन् २०१९ (संवत् २०७६)

हिन्दी साहित्य – प्रश्नपत्र ३

(आधुनिक काव्य)

समय : तीन घण्टा) (पूर्णाङ्क : १००

सूचना–प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

१. निम्नलिखित पद्यावतरणों में से किन्हीं चार की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए– ४०

(क) "हे तात, ताल सम्पुटक तनिक ले लेना,
बहनों को वन–उपहार मुझे है देना।"
"जो आज्ञा," लक्ष्मण गये तुरन्त कुटी में,
ज्यों घुसे सूर्य–कर–निकर सरोज–पुटी में।
जाकर परन्तु जो वहाँ उन्होंने देखा,
तो दीख पड़ी कोणस्थ उर्मिला–रेखा।
यह काया है या शेष उसी की छाया,
क्षण भर उनकी कुछ नहीं समझ में आया।

(ख) नारी! तुम केवल श्रद्धा हो
विश्वास–रजत–नग–पगतल में,
पीयूष स्रोत सी बहा करो
जीवन के सुन्दर समतल में,
देवों की विजय दानवों की
हारों का होता युद्ध रहा,
संघर्ष सदा उर–अंतर में,
जीवित रह नित्य–विरुद्ध रहा।

(ग) निशि हुई विगतः नभ के ललाट पर प्रथम किरण
फूटी रघुनन्दन के दृग महिमा–ज्योति–हिरण,
है नहीं शरासन आज हस्त–तूणीर स्कन्ध,
वह नहीं सोहता निविड़ जटा–दृढ़–मुकुट–वन्ध,
सुन पड़ता सिंहनाद, रण–कोलाहल अपार,
उमड़ता नहीं मन, स्तब्ध सुधी हैं ध्यान धार।

(कृपया पन्ना उलटिए)

(घ) युवकों पर पग–पग पाबंदी, तरुणों का कुंठित ताप–मान
बतला दो बापू, क्या थे तुम? बूढ़े धूर्तों का साम गान?
हम प्रतिपल तुमको ठगते थे, ओ विश्वात्मा, ओ व्यक्ति रूप!
तुम अब भी करुणा सागर हो, हम खारे जल के वही कूप।

(ङ) बस यही नहीं, जो भूख मिली,
सौ गुनी बाप से अधिक मिली।
अब पेट खलाये फिरता है।
चौड़ा मुँह बाये फिरता है।
वह क्या जाने आजादी क्या?
आजाद देश की बातें क्या??

(च) सूप–सूपभर
धूप–कनक
यह सूने नभ में गयी विखर।
चौधाया
बीन रहा है
उसे अकेला एक कुरर।

(छ) दस्तक होगी दरवाजे पर
और वह कहेगी कि
चलो, तुम्हारा समय हो चुका।
कोई नहीं जानता कि
कितना समय और बचा है,
मेरा या तुम्हारा।

२. साकेत के अष्टम् सर्ग के आधार पर उर्मिला का चरित्राङ्कन कीजिए? २०

३. कामायनी के 'आशा' सर्ग के आधार पर कवि की मनोदशा का वर्णन कीजिए। २०

४. 'निराला छायावाद के प्रतिनिधि कवि हैं' इस कथन की पुष्टि पठित कविता के आधार पर कीजिए? २०

५. पठित कविताओं के आधार पर नागार्जुन की भाषा–शैली पर प्रकाश डालिए? २०

६. केदारनाथ अग्रवाल ने प्रगतिशील कविता 'हिन्दी कविता को कालजयी गरिमा दी है' पठित कविताओं के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए? २०

७. 'अज्ञेय' के तीसरे सप्तक की रचनाओं में 'नई कविता की नई दिशाओं के संकेत हैं' इस कथन की सोदाहरण पुष्टि कीजिए? २०

८. अशोक वाजपेयी की 'भागमभाग' कविता का लक्ष्य क्या है? अपने शब्दों में प्रकट कीजिए? २०